/

Class - VI Hindi 3rd lang.

पाठ ·4 – प्रकृति की सुषमा Soma Saha

कविता की आलोचना – प्रकृति की सुंदरता पर आधारित कविता है, प्राकृतिक तत्व संसार को सुंदर रूप देते हैं। कवि ने प्रकृति ~~की~~ के मनमोहक रूप का वर्णन किया है। आसमान ~~ष~~ में जैसे ही सूर्य चमकता है, सारा अंधकार दूर हो जाता है, शाम को चाँद के आने से आसमान का रूप प्यारा हो जाता है, साथ ही तारे भी चमकने लगते हैं। नदियाँ और झरने धरती की शोभा को बढ़ाते हैं, रंग-बिरंगे फूल इसकी शोभा में चार चाँद लगाते हैं। चारो ओर हरे-भरे वृक्ष धरती को हरियाली प्रदान करते हैं। चिड़ियों की मधुर आवाज़ से धरती गूँजने लगती है। प्रकृति का यह रूप हमें अत्यंत प्यारा लगता है।

—x—